



## अध्यक्ष का संदेश / Chairman's Message



### प्रिय शेयरधारकों,

मैं आपके बैंक की सत्रहवीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ और मार्च, 2011 को समाप्त अवधि के लिए आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता हूँ।

### वैश्विक आर्थिक परिदृश्य तथा वित्तीय बाजार

विश्व के विभिन्न भागों में आर्थिक तथा वित्तीय परिस्थितियाँ प्राकृतिक आपदाओं, राजनीतिक उथल-पुथल आदि सहित विभिन्न प्रकार के जोखिमों का सामना करती रही जिससे वैश्विक आर्थिक बहाली अस्थिर तथा कमजोर रही।

संकट प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं का बार-बार कर्जे में डूबने का भय तथा अन्य जोखिमों के समाधान के लिए बड़े स्तर पर वित्तीय उपाय किए जाने अपेक्षित थे क्योंकि ऐसे संकट बार-बार सामने आते रहते हैं।

बढ़ती हुई तेल की कीमतों से उभरते हुए तथा विकासशील देशों में भारी अनिश्चय की स्थिति उत्पन्न हुई है तथा मुद्रास्फीतिकारी दबाव पड़ा है जिससे विकास के उनके अनुमान खतरे में पड़ गए। हालांकि अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक निधि (आईएमएफ) ने अपनी अप्रैल, 2011 की वर्ल्ड इकॉनॉमिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) में पूरे वर्ष 2011 के लिए प्रति बैरल 107 अमेरिकी डालर का अनुमान लगाया है।

जिस डेरिवेटिव में सट्टेबाजी से प्रेरित जिंसों की मांग, तथा खराब मौसम और कम स्टॉक के कारण कीमतें अस्थिर रहीं। खाद्य तथा कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार मार्च, 2011 अंतरराष्ट्रीय खाद्य मूल्यों में 37 प्रतिशत (वर्ष दर वर्ष) की वृद्धि हुई जिसका कारण अनाज (60 प्रतिशत), खाद्य तेल (49 प्रतिशत) तथा चीनी (41 प्रतिशत) के मूल्य थे।

अमरीकी बाजार में निजी खपत में मंदी, आयात में वृद्धि, सरकारी व्यय में कमी बनी रही और वर्ष 2010 की अंतिम तिमाही में इससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) कम होकर 1.8% रह गया।

प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं में बेरोजगारी दर चिंताजनक बनी रही जो वैश्विक मुद्रास्फीतिकारी प्रवृत्तियों के लिए एक खतरा है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार वर्ष 2011 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.4% और उभरती हुई विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए 6.5% है जिसमें एशिया की वृद्धि दर अच्छी रहने की आशा है।

### भारतीय आर्थिक परिदृश्य

भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी से बहाली हुई और जीडीपी में वित्तीय वर्ष 2009-10 की 8% की वृद्धि के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2011 में 8.6% की वृद्धि हुई जिसका मुख्य कारण बेहतर कृषि उत्पादन, मजबूत निजी खपत, अधिक निर्यात, व्यापक निवेश आदि होती है।

औद्योगिकी उत्पादन में वृद्धि पिछले वर्ष में दर्ज की गई 10.5% की वृद्धि के मुकाबले वर्ष 2010-11 में 7.8% पर कम रही। फिर भी, वित्तीय वर्ष 2010-11 की अंतिम तिमाही में औद्योगिक उत्पादन में पुनः मजबूत तेजी आई।

वर्ष 2011-12 के नवोन्मेष बजटकारी उपायों से वर्ष 2010-11 में राजकोषीय समेकन में प्रगति का संकेत मिलता है। चूंकि संरचनात्मक प्रतिबंधों को हटाने को महत्व देते हुए कुल मांग पर दबाव को कुछ कम करने के मध्यावधि उपायों से बुनियादी संरचनात्मक निवेश तथा समावेशी विकास को बढ़ावा मिला।

### Dear Shareholders,

I have great pleasure to welcome all of you to the Seventeenth Annual General Meeting of your Bank and present the Annual Report of your Bank for the period ended March 2011.

### Global Economic Scenario & Financial Markets

The economic and financial conditions continue to face a variety of risks in different parts of the world combined with natural disasters, political turmoils etc making global recovery vulnerable and fragile.

The recurring sovereign debt fears and other risks in crisis affected economies require financial redressal in larger measures as such crisis keeps surfacing often and again.

The rising oil price has left large uncertainties and inflationary pressures on emerging and developing countries endangering their growth projections. Though, the International Monetary Fund (IMF) in its April 2011 World Economic Outlook (WEO) has assumed US dollar 107 a barrel for the full year 2011.

The Demand side on the commodities triggered with speculative movements in commodity derivatives coupled with bad weather and low inventories remain a cause for volatile prices. According to the Food and Agriculture Organization (FAO), international food prices rose by 37 per cent (y-o-y) in March 2011, led by the prices of cereals (60 per cent), edible oils (49 per cent) and sugar (41 percent).

The US market continues to face deceleration in private consumption, increase in Import, decline in Government spending has lowered the GDP to 1.8% in the last quarter of 2010.

The unemployment rates continue to be on the other side in major advanced economies which pose a risk for Global Inflationary trends. The global GDP is forecasted by IMF at 4.4% in 2011 and for emerging developing economies at 6.5% with a promising growth rate for Asia.

### Indian Economic Scenario

The Indian economy has rebounded strongly with a GDP growth of 8.6% in FY 2010-11 as against 8.0% for FY 2009-10, largely due to improved agriculture production, strong private consumption, higher exports, robust investment etc.

The Industrial Production growth of 7.8% for the year 2010-11 was lower as against 10.5% growth recorded in the previous year. However, the Industrial production regained strong momentum in the last quarter of the FY 2010-11.

The budgetary initiatives in 2011-12 indicate progress in the calibrated fiscal consolidation in 2010-11 as medium term measures for alleviating some pressures on aggregate demand by giving importance to removing structural constraints, promoting infrastructure investment and an inclusive growth.



मौद्रिक निभाव का क्रमिक आहरण मुद्रास्फीतिकारी दबाव को नियंत्रित करने तथा मुद्रास्फीतिकारी अपेक्षाओं जो मुख्यतया ईंधन तथा खाद्य कीमतों के कारण वर्ष 2010-11 की अधिकांश अवधि में उच्च स्तर पर रहीं, पर अंकुश लगाने में सहायक है।

भारतीय रिजर्व बैंक के प्रमुख उपायों में बैंकों की एसएलआर अपेक्षाओं को 25% से कम करके 24% करना तथा रेपो दर को 5.25% से बढ़ाकर 7.25% और रिवर्स रेपो दर को 3.75% से बढ़ाकर 6.25% करना शामिल है। (वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान आठ बार)

जोखिमों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था विकास की गति को बनाए हुए है।

#### वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिए भावी परिदृश्य

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में घोषित वार्षिक मौद्रिक नीति में वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर के 8% रहने, मुद्रा आपूर्ति वृद्धि 16%, कुल जमा राशि वृद्धि 17%, वृद्धि गैर खाद्यान्न ऋणों में 19% की वृद्धि होने और थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति के लक्ष्य के उच्चतर प्रवृत्ति के साथ 6.0% पर रहने का अनुमान किया है।

वित्तीय वर्ष 2011-12 के केंद्रीय बजट में भारत सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को 6,000 करोड़ रु. की अतिरिक्त पूंजी सहायता देना नियत किया है ताकि टीयर-1 पूंजी में न्यूनतम 8 प्रतिशत का जोखिम भारित अनुपात (सीआरएआर) सुनिश्चित किया जा सके। यह वित्तीय वर्ष 2010-11 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में लगाई जा रही 20,157 करोड़ रु. की राशि के अतिरिक्त है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य रहने का अनुमान है। खाद्य पदार्थों की बढ़ी हुई कीमतों को सामान्य बनाने में इसका प्रभाव अनुमान से कम हो सकता है परन्तु खाद्य पदार्थों की बढ़ी हुई कीमतों तथा वैश्विक खाद्य पदार्थों की बढ़ी हुई कीमतों की स्थिति में यह एक मजबूत संरचनात्मक कारक है। पिछले 15 माह से अधिक समय से किए गए मौद्रिक उपायों का संघर्ष प्रभाव 2011-12 के दौरान महसूस किया जाता रहेगा जिससे विकास तथा मुद्रास्फीति दोनों के सामान्य रहने में सहायता मिलेगी।

वैश्विक आर्थिक बहाली 2011 में जारी रहने का अनुमान है और विकसित अर्थव्यवस्थाओं तथा उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में राजकोषीय उत्प्रेरक तथा मौद्रिक नियंत्रण बढ़ने के प्रभाव, तेल तथा अन्य जिंसों की बढ़ी हुई कीमतों आदि के कारण विकास मंदा होने का अनुमान है।

#### भारतीय बैंकिंग की प्रमुख घटनाएं

घरेलू आर्थिक दशाओं में हो रहे सुधार के मध्य, 2010-11 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का कार्यनिष्पादन काफी प्रभावपूर्ण रहा। वर्ष 2010-11 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमा राशियों में 15.08% की वृद्धि हुई और ये 52,04,703 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गई जबकि इसी अवधि में ऋण प्रवाह में 21.4% की वृद्धि हुई और ये 39,38,659 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गए। मार्च, 2011 के अंत में स्थूल मुद्रा (एम3) 8,94,016 करोड़ रुपये रही और इसमें वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 15.9% की वृद्धि हुई।

#### बैंक के कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताएं :

मैं वर्ष 2010-11 हेतु आपके बैंक का कार्यनिष्पादन आपके समक्ष सहर्ष प्रस्तुत करता हूँ।

- 31 मार्च, 2011 को आपके बैंक का कुल कारोबार 31,451 करोड़ रुपये (15.38% की वृद्धि) की वृद्धि दर्शाते हुए पिछले वर्ष के 2,04,442 करोड़ रुपये के मुकाबले 2,35,893 करोड़ रुपये रहा। मार्च, 2011 के अंत में जमा राशियां और कुल अग्रिम क्रमशः 15.63% और 15.03% की वृद्धि दर्ज करते हुए 1,39,054 करोड़ रुपये और 96,839 करोड़ रुपये हो गए।
- आपके बैंक का ऋण-जमा अनुपात मार्च 2010 के 70.22% की तुलना में मार्च, 2011 के अंत में 69.73% रहा। बैंक का अग्रिम संविभाग वैविध्यपूर्ण एवं संतुलित है और अर्थव्यवस्था के उत्पादन क्षेत्रों की ऋण आवश्यकताओं को पूरा किया गया है।
- बैंक के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिम 40% की निर्धारित सीमा से अधिक अर्थात् समायोजित निवल बैंक ऋणों (एएनबीसी) का 42.70% रहे। मूल्य

A sequenced withdrawal of monetary accommodation is helping to contain inflationary pressures and anchor inflationary expectations which remained at elevated levels for a large part of 2010-11, largely driven by fuel and food prices.

The major RBI measures include decline in SLR requirement of the Banks from 25% to 24% and hike in the Repo Rate from 5.25% to 7.25% and Reverse Repo rate from 3.75% to 6.25%. (Eight times during FY 2010-11).

Notwithstanding the risks, the Indian economy is poised to sustain the growth momentum.

#### Outlook for FY 2011-12

RBI in its recently announced Annual Monetary Policy, has projected real GDP growth rate at 8%, Money Supply Growth at 16%, Aggregate Deposits Growth at 17%, Non food credit growth at 19% and target of WPI inflation at 6.0% with upward bias for the FY 2011-12.

In the Union Budget for FY 2011-12, GOI has earmarked a sum of Rs.6,000 crore towards additional capital support to the Public Sector Banks to maintain a minimum Tier I Capital to Risk Assets Ratio (CRAR) at 8 per cent. This is an addition to the infusion of Rs. 20,157 crore in PSBs being done in FY 2010-11.

While the south-west monsoon 2011 is expected to be normal, its impact on moderation in food inflation may be less than commensurate, given a strong structural component in food inflation and elevated global food price situation. The cumulative impact of monetary measures over the last 15 months will continue to be felt over the course of 2011-12, contributing to moderation in both growth and inflation.

The Global recovery is expected to sustain in 2011 and growth is projected to decelerate in advanced economies as well as in EMEs due to impact of fiscal stimulus and monetary tightening, high oil and other commodity prices etc.

#### Developments in Indian Banking

Amidst the improving domestic economic conditions, performance of Scheduled Commercial Banks (SCBs) during 2010-11 has been quite impressive. Aggregate Deposits of the SCBs grew by 15.8% during the year 2010-11 to a level of Rs. 52,04,703 crore while credit flow achieved a growth of 21.4% during the same period, to reach a level of Rs. 39,38,659 crore. The Broad Money (M3) as at end March 2011 was Rs. Rs.8,94,016 crore, with a growth of 15.9% on year-on-year basis.

#### Performance Highlights of the Bank

I have immense pleasure in sharing with you, your Bank's performance for the year 2010-11.

- The Total Business Mix of your Bank stood at Rs.2,35,893 crore as on March 31, 2011 as against Rs.2,04,442 crore in the previous year reflecting an increase of Rs.31,451 crore (growth of 15.38%). As at end-March 2011, Deposits and Gross Advances stood at Rs.1,39,054 crore and Rs.96,839 crore, registering a growth of 15.63% and 15.03%, respectively.
- The CD ratio of your Bank stood at 69.73% as of March 2011 as against 70.22% as of March 2010. The Advances portfolio of the Bank is well diversified, balanced and the credit needs of productive sectors of the economy have been met.
- The Priority Sector (PS) Advances of your Bank constituted 42.70% of Adjusted Net Bank Credit (ANBC) as against the



- के अनुसार प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिम मार्च, 2010 के अंत में रहे 29,384 करोड़ रुपये के अग्रिमों में 6,267 करोड़ रुपये (21.33% की वृद्धि) की वृद्धि के साथ मार्च, 2011 के अंत में 35,651 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गए।
- कृषि क्षेत्र के कुल अग्रिम 12,721 करोड़ रुपये रहे जिनमें से प्रत्यक्ष कृषि को दिए गए अग्रिमों की राशि 8,888 करोड़ रुपये रही। कुल कृषि अग्रिमों में 12.90% की वृद्धि हुई जबकि प्रत्यक्ष कृषि अग्रिमों में 35.39% की वृद्धि दर्ज की गई।
  - 2010-11 के दौरान लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) को दिए गए बैंक वित्त 40.56% की वृद्धि के साथ 12,571 करोड़ रुपये से बढ़कर 17,670 करोड़ रुपये हो गए।
  - वर्ष 2010-11 के दौरान शिक्षा ऋण 13.4% की वृद्धि के साथ 972 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,102 करोड़ रुपये हो गए।
  - वर्ष 2010-11 के दौरान आवास ऋण 1.2% की वृद्धि के साथ 7,946 करोड़ रुपये से बढ़कर 8,042 करोड़ रुपये हो गए।
  - मार्च, 2011 के अंत में बैंक का परिचालन लाभ पिछले वर्ष के अंत में 2,422 करोड़ रुपये के स्तर से 34.01% की वृद्धि के साथ 3,245 करोड़ रुपये हो गया। इसी अवधि के दौरान निवल ब्याज आय भी 43.69% की वृद्धि के साथ 2,907 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,178 करोड़ रुपये हो गई।
  - आपके बैंक का निवल लाभ वर्ष 2010-11 के दौरान रहे 1134.68 करोड़ रुपये के स्तर से बढ़कर वर्ष 2010-11 के दौरान 1,500 करोड़ रुपये पार करके 1,502.87 करोड़ रुपये पहुंच गया।
  - आपके बैंक ने 2010-11 के दौरान एनपीए में 1284 करोड़ रुपये की वसूली की। कुल एनपीए 1,921 करोड़ रुपये के स्तर पर रहे जो 31 मार्च, 2011 की स्थिति के अनुसार कुल अग्रिमों का 1.98% है। मार्च, 2011 के अंत में बैंक के निवल एनपीए निवल अग्रिमों का 0.98% थे।
- जोखिम प्रबंधन/बासेल-II का कार्यान्वयन**
- मुझे आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपका बैंक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए पूंजी पर्याप्तता फ्रेमवर्क दिशानिर्देशों के अनुसार बासेल-II अनुपालक है और बैंक का पूंजी में जोखिम भारित आस्तियों का अनुपात (सीआरएआर), भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित 9% की न्यूनतम अपेक्षा से कहीं अधिक 14.23% रहा। बैंक ने अपेक्षित जोखिम प्रबंधन पद्धतियां अपनाई हैं जिनकी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर प्राप्त निर्देशों के अनुसार पुनरीक्षा की जाती है एवं इन्हें आवधिक तौर पर अद्यतन किया जाता है।
- नवोन्मेष कार्य :**
- मार्च, 2011 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक ने अपने संयुक्त उद्यम (केनरा एचएसबीसी ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स लाइफ इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड) की पिछली वित्तीय वर्ष के दौरान 119.12 करोड़ रुपये के पहले प्रीमियम के साथ 38097 पॉलिसियों की तुलना में 159.80 करोड़ रुपये के पहले प्रीमियम के साथ 42393 पॉलिसियां बेचीं। बैंक ने वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान कुल 35.56 करोड़ रुपये का कमीशन अर्जित किया।
  - बैंक ने लाभप्रदता बढ़ाने के लिए कासा जमाराशियां जुटा कर कम लागत की निधियों पर अधिक ध्यान दिया। वर्ष के दौरान बैंक ने ग्राहकों को बचत बैंक खातों पर दैनिक उत्पाद आधार पर ब्याज देना आरंभ किया।
  - बैंक ने 50 के आयु वर्ग में भावी वरिष्ठ नागरिकों के लिए 5 अप्रैल, 2011 से एक विशिष्ट मीयादी जमा योजना “वरिष्ठ सम्मान” आरंभ की। बैंक उद्योग में यह ऐसी पहली योजना है जो भावी वरिष्ठ नागरिकों को दीर्घावधि ब्याज लाभ देती है।
  - बैंक ने ग्रामीण उद्यमियों के सशक्तीकरण तथा मोची, लुहार, सब्जी विक्रेता,
- requirement of 40%. In value terms, PS Advances increased by Rs.6,267 crore (a growth of 21.33%) to reach a level of Rs.35,651 crore as at end March 2011 from Rs.29,384 crore as at end March 2010.
- Total advances to Agriculture Sector stood at Rs.12,721 crore, out of which advances to Direct Agriculture was Rs.8,888 crore. Total Agriculture Advances grew by 12.90%. Direct Agriculture grew by 35.39%.
  - Bank's exposure to Small and Medium Enterprises (SME) increased to Rs.17,670 crore from Rs.12,571 crore, thus growing by 40.56% during 2010-11.
  - Loans for Education increased to Rs.1,102 crore from Rs.972 crore, thus recording a growth of 13.4% during the year 2010-11.
  - Loans for Housing increased to Rs.8,042 crore from Rs.7,946 crore, thus recording a growth of 1.2% during the year 2010-11.
  - Operating Profit of the Bank as at end March 2011 recorded a growth of 34.01% to Rs.3,245 crore from a level of Rs.2,422 crore as at the end of the preceding year. During the same period, Net Interest Income (NII) increased by 43.69% to Rs.4,178 crore from Rs.2,907 crore.
  - The Net Profit of your Bank crossed Rs.1,500 crore and reached to Rs.1,502.87 crore during 2010-11 from a level of Rs.1,134.68 crore during 2009-10.
  - Your Bank made a recovery of Rs.1,284 crore in NPA during 2010-11. The Gross NPA stood at a level of Rs.1,921 crore which is 1.98% of Gross Advances as on 31.03.2011. The Net NPA of the Bank was at 0.98% of Net Advances at the end of March 2011.
- Risk Management/Implementation of BASEL II**
- I am happy to inform you that your Bank is Basel II compliant in terms of the New Capital Adequacy Framework guidelines issued by the Reserve Bank of India and Capital to Risk-Weighted Assets Ratio (CRAR) of the Bank stood at 14.23%, well above the minimum requirement of 9% as stipulated by RBI. The Bank has put in place adequate Risk Management Systems which are reviewed and updated periodically in the light of guidelines received from Reserve Bank of India from time to time.
- New Initiatives**
- During the Financial Year ended March 2011, the Bank marketed 42393 policies of its joint venture (“Canara HSBC Oriental Bank of Commerce Life Insurance Company Limited”) with first premium collection aggregating Rs. 159.80 crore as compared to 38097 policies with first premium collection of Rs. 119.12 crore during the last financial year. Bank earned a Gross Commission of Rs.35.56 crore during the Financial Year 2010-11.
  - Towards improving profitability, the Bank has focused on raising low cost resources through mobilization of CASA deposits. During the year the Bank has started providing interest on SB accounts to customers on a daily product basis.
  - The Bank pioneered a unique Term Deposit Scheme called “VARISHTH SAMMAN” w.e.f. 5<sup>th</sup> April, 2011 for prospective senior citizens in the 50's Age Bracket. It is a First such Scheme floated in Banking Industry which gives Long Term Interest Advantage to Prospective Senior Citizens.
  - Bank has launched Oriental Grameen Swarojgar Card (a



दर्जियों इत्यादि जैसी सूक्ष्म गतिविधियों के लिए बैंक को आर्बिट्रि गांवों में पात्र निवासियों को वित्त प्रदान करके वित्तीय समावेशन को तीव्र करने के लिए **ओरियन्टल ग्रामीण स्वरोजगार कार्ड** (सूक्ष्म ऋण उत्पाद) आरम्भ किया है।

- बैंक ने ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सुविधाओं से रहित लोगों के लिए संचयी जमा योजना के रूप में **“ओरियन्टल ग्रामीण जमा योजना”** नामक एक सूक्ष्म बचत योजना भी आरम्भ की है।
- बैंक ने इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फोर्मेशन सर्विसिज जो अमेरिका के सबसे बड़े क्रेडिट ब्यूरो में से एक है, के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- बैंक अपने ग्राहकों तथा जनता को विशिष्ट पहचान संख्या (आधार) जारी करने के लिए नामांकन प्रक्रिया आरंभ करने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का पहला राष्ट्रीयकृत बैंक बना।
- बैंक ने भारत में अपनी चुनी हुई शाखाओं के माध्यम से 999.9 शुद्धता वाले 24 कैरेट सोने के सिक्कों की बिक्री आरंभ की।

#### सूचना प्रौद्योगिकी के नवोन्मेष कदम

- एटीएम के माध्यम से आयकर भुगतान सुविधा का प्रारम्भ
- ऑनलाइन एएसबीए सुविधा लागू करना
- अंतर बैंक मोबाइल भुगतान पद्धति (आईएमपीएस) के माध्यम से तत्काल निधि अंतरण
- दृष्टिबाधितों के लिए वॉयस आधारित एटीएम और ग्रामीणों के लिए बायोमीट्रिक एटीएम लगाए गए।
- एटीएम के जरिए चेक की स्थिति संबंधी पूछताछ तथा भुगतान रोकने अनुरोध इत्यादि मूल्य योजित सेवाएं।
- ओबीसी डेबिट कार्ड के जरिए द्वितीय प्रमाणन के रूप में वैरिफाइड बाई वीजा के साथ ऑनलाइन ई-कॉमर्स लेनदेन की सुविधा
- बैंक सार्वजनिक क्षेत्र के एक प्रमुख बैंक के साथ मिलकर शीघ्र ही को-ब्रांडिड क्रेडिट कार्ड जारी करेगा।

#### बेहतर ग्राहक सेवा हेतु प्रौद्योगिकी :

- आपका बैंक सार्वजनिक क्षेत्र के ऐसे कुछ बैंकों में से है जहां 100% कारोबार कोर बैंकिंग सॉल्यूशन के माध्यम से किया जाता है। इस वर्ष के दौरान, बेहतर कार्यनिष्पादन तथा बढ़े हुए कारोबार को संभालने के लिए सीबीएस से संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी ढांचे को अपग्रेड किया गया। बैंक के सभी कार्यालय केंद्रीकृत नेटवर्क से जुड़े हैं, जिससे ग्राहकों को एक ही स्थान पर अबाध सेवा प्रदान की जाती है। मार्च 2011 के अंत में आपके बैंक का एटीएम आधार 1192 हो गया और 25.83 लाख कार्डधारकों के माध्यम से प्रतिदिन 1.2 लाख से अधिक लेन-देन किए जा रहे हैं।
- आपके बैंक की कारपोरेट वेबसाइट समसामयिक और हमारी कारपोरेट छवि के अनुरूप है। इस साइट में मूल्यवर्धित लिंक जैसे : एनएसई मार्केट ट्रेकर, एनएसई विदेशी मुद्रा ट्रेकर, बीएसई सेंसेक्स, एनएसई निफ्टी और स्पोर्ट्स अपडेट आदि को शामिल किया गया है। इस वेबसाइट को वेरीसाइन से एसएसएल एन्क्रिप्शन लागू करके सुरक्षित भी किया गया है।
- इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन एनईफटी, ई-कॉमर्स, शेयरों की ऑनलाइन ट्रेडिंग इत्यादि जैसी अतिरिक्त सुविधाएं भी उपलब्ध करवा दी गई हैं। वर्ष के दौरान 77,000 नए ग्राहक बनने से इंटरनेट बैंकिंग का ग्राहक आधार 3.53 लाख तक पहुंच गया है व औसतन 26000 दैनिक हिट्स किए जा रहे हैं।
- मोबाइल बैंकिंग सुविधा दी जा रही है जिससे बैलेंस की जानकारी, बैंकों निधि अंतरण, बैंक में निधि अंतरण आदि सुविधाएं दी जा रही हैं।

micro credit product) for empowerment of rural entrepreneurs and to further speed up financial inclusion by way of providing finance to micro activities like cobblers, vegetable vendors, tailors, etc. to eligible residents in the villages allotted to the Bank.

- Bank has also launched a Micro Thrift Scheme called **“ORIENTAL GRAMEEN JAMA YOJANA”** – a cumulative deposit scheme for the financially excluded people in rural areas.
- The Bank has signed a MoU with Equifax Credit Information Services which is one of the largest Credit Bureau of USA.
- The Bank became the 1<sup>st</sup> Public Sector Nationalised Bank to commence the enrollment process for issuance of Unique Identification Number (Aadhaar) for the customers of the Bank and public at large.
- Bank commenced the sale of 24 Carat Gold Coins of 999.9 fineness through its identified Branches across India.

#### IT Initiatives

- Launch of Income Tax Payment Facility through ATMs,
- Online ASBA Facility Operationalised,
- Instant Funds Transfer through Inter Bank Mobile Payment System (IMPS),
- Operationalised voice enabled ATMs for visually impaired and Biometric ATMs for rural masses,
- Value Added Services through ATMs like Cheque Status Inquiry & Stop Payment Request,
- Facility of Online e-commerce transaction through OBC Debit Card along with Verified by VISA as 2nd factor authentication.
- The Bank is in the process of launching a Co-Branded Credit Card with a leading Public Sector Bank.

#### Technology for Better Customer Service

- Your Bank is amongst the few Public Sector Banks where 100% of the business is routed through the Core Banking Solution. The CBS related IT infrastructure has been upgraded during the year for better performance and to cope with increased business load. All offices of the Bank are connected to the centralized network offering one stop seamless services to customers. As at the end of March 2011, your Bank has got ATM base of 1192 and more than 1.2 lakh transactions are happening per day through a card base of 25.83 lakh.
- Your Bank's Corporate Website is contemporary and in line with our Corporate image. Value added links like NSE Market Tracker, NSE Foreign Exchange Tracker, BSE Sensex, NSE Nifty and sports update etc have been incorporated in the site. The website has also been secured by implementing SSL encryption from VeriSign.
- Additional features such as Online NEFT, e-Commerce, Online Trading of shares etc. have also been made available through Internet Banking. With addition of 77,000 new customers during the year, the Internet Banking customer base has reached to 3.53 lakh and average daily hits to 26000.
- Mobile Banking Services are offered facilitating balance inquiry, Intra-Bank funds transfer, Inter-Bank funds transfer, etc.





- आपके बैंक ने वेरिफाइड बाय वीजा के माध्यम से डेबिट कार्ड के लिए ई-कामर्स सुविधा भी शुरू की है जिसके द्वारा ग्राहक नेट के जरिए वाणिज्यिक लेन-देन कर सकते हैं।
- आई-बैंकिंग के जरिए निधि अंतरण की सुविधा में अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं।

#### अंतरराष्ट्रीय पहचान :

आपके बैंक ने 30.03.2009 को दुबई में पहला प्रतिनिधि कार्यालय खोलकर अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में अपना स्थान बनाया। यह विदेशी कार्यालय बैंक की भविष्य में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केन्द्रों में अपना विस्तार करने की महत्वाकांक्षा का शुभारंभ है। दुबई में हमारे प्रतिनिधि कार्यालय से, अनिवासी भारतीयों और भारतीय मूल के व्यक्तियों को भारत में कारोबार करने के अवसरों के बारे में सहायता दी जा रही है तथा हमारे उत्पादों और सेवाओं की मार्केटिंग की जा रही है।

#### कारपोरेट सामाजिक दायित्व

अपने कारपोरेट सामाजिक दायित्व के रूप में आपके बैंक ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) स्थापित करने हेतु 09.12.2005 को 'ओबीसी ग्रामीण विकास न्यास' के नाम से एक न्यास की स्थापना की। इस न्यास ने चार जिलों अर्थात् जयपुर, श्रीगंगानगर, फिरोजपुर एवं देहरादून में प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए हैं। ग्रामीण बेरोजगार युवकों का कौशल बढ़ाने के लिए उन्हें स्वरोजगार सृजित करने वाले क्रियाकलापों जैसे टेलरिंग, ड्रेस डिजाइनिंग, सिलाई एवं कढ़ाई, फुलकारी, लघु उद्योग स्तर पर कृषि खाद्य प्रोसेसिंग आदि का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। न्यास की गतिविधियों में, फसलों की विविधता, स्व-सहायता समूहों का गठन, कौशल विकास, उद्यमशीलता का विकास और ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देना भी शामिल है। इस न्यास की स्थापना से लेकर अब तक 588 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 20586 प्रत्याशियों ने लाभ उठाया है।

बैंक ने नेत्रहीनों के लिए वॉइस एटीएम और बायोमीट्रिक एटीएम आरंभ किए हैं। आपके बैंक ने बच्चों में कंप्यूटर साक्षरता बढ़ाने में सहयोग दिया और गैर सरकारी संस्थाओं तथा सामाजिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की।

**वित्तीय समावेशन कार्यक्रम:** बैंक ने 2010-11 के दौरान 100% वित्तीय समावेशन के लिए 300 गांवों को अंगीकार किया है। चयनित किए गए 1,77,116 घरों में से 77,940 को स्मार्ट कार्ड जारी करने के लिए नामांकित किया गया है। 25,823 व्यक्तियों को स्मार्ट कार्ड जारी किए गए हैं। इस समय ग्रामीणों को हाथ में पकड़ने वाले यंत्र(पीओएस) के प्रयोग द्वारा उनके द्वार पर ही मूल बैंकिंग सेवाएं (नकद जमा और आहरण) दी जा रही हैं। वर्ष 2011-12 के दौरान 270 और गांवों को वित्तीय समावेशन कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल करने की योजना है।

आपका बैंक शिवपुरी पट्टी गांव(जिला शिवगंगा), तमिलनाडु में ओरियन्टल ग्रामीण क्लिनिक कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को निःशुल्क चिकित्सा सहायता प्रदान कर रहा है जिससे वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान लगभग 2500 व्यक्तियों को लाभ पहुंचा है।

#### कम्पनी अभिशासन

आपका बैंक उद्योग की श्रेष्ठ पद्धतियों को अपनाकर, कम्पनी अभिशासन के सर्वोच्च मानदंडों को कायम रखे हुए हैं। बैंक सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित कम्पनी अभिशासन संबंधी दिशानिर्देशों का अनुपालन कर रहा है।

बैंक की कम्पनी अभिशासन नीतियों में हमारे सभी ग्राहकों जिनमें जमाकर्ता, ऋणदाता, ग्राहक, कर्मचारी एवं विनियामक प्राधिकारी शामिल हैं, के प्रति मंडल के उत्तरदायित्व और लिए गए निर्णयों के महत्व को स्वीकार किया गया है।

#### ग्राहक सेवा

हमारे ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक स्थायी सम्बन्ध है जो कई वर्षों के विश्वास से बने हैं और इस आशा पर आधारित है कि बैंक उनके सपनों को व्यावसायिक ढंग

- Your Bank has also launched e-commerce for Debit Cards through Verified by VISA, whereby customers can undertake merchandise transactions through net.
- Additional security measures introduced in facility of funds transfer through I-Banking.

#### International Presence

Your Bank made its foray in International arena on 30.03.2009 with the opening of its first representative office at Dubai. This overseas venture is the beginning of the Bank's quest to spread its wings at other important International Financial Centers in the future. Our representative office at Dubai has been extending assistance to NRIs and PIOs about business opportunities in India and marketing the Bank's products & services.

#### Corporate Social Responsibility

As a part of its Corporate Social Responsibility, your Bank set up a Trust in the name of 'OBC Rural Development Trust' on 09.12.2005 for setting up of Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs) and taking up other developmental activities. The Trust set up training Institutes in four Districts, viz., Jaipur, Sriganganagar, Ferozepur and Dehradun. Free trainings on skill development to rural unemployed youth are being imparted for self-employment generating activities such as Tailoring, Dress designing & stitching, Embroidery, Phulkari, small scale agri food processing, etc. The activities of the Trust also cover education of farmers in crop diversification, formation of Self Help Groups, Skill improvement, Entrepreneurship development and promoting use of non-conventional energy. Since inception a total of 588 training programmes have been conducted benefiting 20,586 candidates.

Bank has operationalised voice enabled ATMs for the visually impaired and Bio-metric ATMs. Your Bank has assisted in improving computer literacy among children and has provided financial assistance to NGOs and Institutions committed to social causes.

**Financial Inclusion Program:** Bank has adopted 300 villages during 2010-11 for 100% Financial Inclusion. There are 1,77,116 identified households, of which 77,940 have been enrolled for issuing smart cards. Smart cards have been issued to 25,823 persons. Presently basic banking services (cash deposit & withdrawal) are being provided through smart cards by using hand held devices (POS) at the doorstep of villagers. During 2011-12, it is envisaged to cover 270 villages under the Financial Inclusion Plan.

Your Bank is providing free medical assistance to villagers in Sivapuri Patti village (Sivaganga District) Tamil Nadu through Oriental Rural Clinic programme which has benefitted about 2500 persons during the Financial Year 2010-11.

#### Corporate Governance

Your Bank has been maintaining the highest standards of Corporate Governance by adopting best industry practices. The Bank has been adhering to the corporate governance guidelines laid down by SEBI and RBI.

Bank's Corporate Governance policies recognize the accountability of the Board and the impact of its decisions on all our constituents including shareholders, depositors, lenders, customers, employees and the Regulatory authorities.

#### Customer Service

With our customers, we share a long and enduring relationship that is built over the years on trust and an abiding hope that the



से पूरा करने के लिए सदैव उन्हें सहयोग देगा। हम अपने सम्मानित ग्राहकों को श्रेष्ठ बैंकिंग सेवाएं, उत्पाद प्रदान करने और उत्कृष्टता की परम्परा निभाने के लिए वचनबद्ध हैं।

#### लाभांश

आपके बैंक की लाभांश घोषित करने की नीति शेयरधारकों को उचित प्रतिफल देने तथा स्वस्थ पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाए रखने और भावी विकास में सहयोग करने हेतु लाभ के पुननिवेश पर आधारित है। तदनुसार, आपके निदेशकों ने गत वर्ष प्रदान किए गए 9.10 रुपए प्रति शेयर (91%) के लाभांश की तुलना में 31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष के लिए 10.40 रुपए प्रति शेयर (104%) का लाभांश सहर्ष प्रस्तावित किया है।

#### भावी योजना

आपके बैंक की वित्तीय सुदृढ़ता अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ वर्ष-दर-वर्ष सुसंगत कार्यनष्ठादन करते हुए ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने में प्रतिफलित होती है। हमारी प्रतिबद्ध टीम के साथ 1.5 मिलियन का विस्तृत ग्राहक आधार इसका प्रमाण है। ग्राहक सेवा के क्षेत्र में नए-नए कदम उठाते हुए बैंक ने विभिन्न डिजीटल चैनल तथा कई ऑन-लाइन सेवाएं शुरू की हैं जिससे हमारी सेवा समय पर होने के साथ-साथ अधिक दक्ष, प्रभावी व त्रुटिहीन हो गई है।

बैंक वर्ष 2011-12 में कुल कारोबार में 20% से अधिक की वृद्धि करने की भावी योजना के प्रति आशावान हैं। इसके लिए हमने वर्ष 2011-12 के दौरान 150 से अधिक नई शाखाएं खोलने की योजना बनाई है।

वर्ष 2010-11 के दौरान 241 विशेषज्ञ अधिकारियों सहित 1836 कर्मियों की नियुक्ति की गई। 526 विशेषज्ञ अधिकारियों, 500 परीक्षाधीन अधिकारियों तथा 1750 लिपिकों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। विभिन्न संवर्गों में कर्मियों की भर्ती, निरंतर प्रशिक्षण जैसे नवोन्मेष उपायों से पुष्ट ओबीसी टीम अपने ग्राहकों की सेवा में प्रतिबद्ध है।

यह उल्लेखनीय है कि वर्ष के दौरान नए बायोमीट्रिक एटीएम लगाकर, नए बायोमीट्रिक कार्ड जारी करके, नो फ्रिल खातों के लिए ग्राहकों को नामांकित करके, अतिरिक्त गांवों को अंगीकार करके, कारोबार प्रतिनिधियों की नियुक्ति करने एवं नए स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) बनाकर वित्तीय समावेशन पर विशेष ध्यान दिया गया।

बैंक के सर्वोच्च प्रबंध वर्ग का अंतिम लक्ष्य है : हमारे चार प्रमुख मानकों अर्थात् सुदृढ़ कासा, वैविध्यपूर्ण अग्रिम पार्टफोलियो, मजबूत निवल ब्याज मार्जिन तथा कड़े एनपीए प्रबंधन द्वारा बैंक को अधिक स्थिर व विकासोन्मुख बनाना।

निदेशक मंडल की ओर से और मैं अपनी ओर से सभी शेयरधारकों द्वारा प्रबंध वर्ग के प्रति दर्शाए गए उनके विश्वास के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं आभार प्रकट करता हूँ। बैंक की सफलता हमारे पण्यधारकों द्वारा बैंक के मूल सिद्धांत स्वीकार करने, ग्राहक सेवा की उत्कट भावना तथा नेताओं की विश्वसनीयता में निहित है। मैं बैंक के प्रत्येक कर्मचारी की समर्पण भावना तथा हमारे निष्ठावान ग्राहकों द्वारा दिए गए सतत् सहयोग व संरक्षण के लिए भी उनका धन्यवाद करता हूँ। मैं वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक का, उनके सतत मार्गदर्शन और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

(नागेश पैड़ा)  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Bank will always partner for the fulfillment of their dreams in a professional manner. We are committed for bringing to our esteemed customers the best of banking services, products and a tradition of excellence.

#### Dividend

Your Bank's policy of declaring dividend is to reward the share holders as well as to plough back sufficient profits for maintaining a healthy capital adequacy ratio & supporting future growth. Accordingly, your Directors are happy to propose a dividend of Rs.10.40 per share (104%) for the year ended 31st March, 2011 as against Rs. 9.10 per share (91%) paid for the preceding year.

#### Looking Forward

Your Bank's financial soundness is reflected in its consistent performance over the years with a state of the art technology platform to meet the customer's aspiration. The 1.5 million strong customer base with a committed team force stands testimony to this. Taking forward the innovation in customer service, the bank has introduced various delivery channels and a number of on line services which makes service delivery efficient, effective and error free besides being timely.

For the year 2011-12, the Bank is looking optimistically for business mix growth of more than 20%. Towards this we have planned to add more than 150 branches during 2011-12.

1836 personnel including 241 Specialist Officers have been recruited during 2010-11. Recruitment process for 526 Specialist Officers, 500 Probationary Officers and 1750 Clerks is underway. Recruitment of personnel at different cadres & continuous training are some initiatives directed towards building the Team OBC in the service to its customers.

More importantly, a special focus is being laid on Financial Inclusion by way of installation of biometric ATMs, issuing fresh Biometric Cards, enrolling customers under No-Frill Accounts, adopting more villages, appointing Business Correspondents and forming new Self Help Groups (SHGs)/Joint Liability Groups (JLGs) during the year.

The ultimate objective of the Top Management of the Bank is to equip the Bank with more stability and growth orientation through four key parameters i.e. Healthy CASA, well – diversified Advances portfolio, strong NIM and stringent NPA Management.

On behalf of the Board of Directors and on my own behalf, I take this opportunity to express my sincere thanks and gratitude to all the Shareholders of the Bank for reposing their faith in the Management. The success of the Bank lies in attaining the acceptance of our stakeholders about the Bank's core values, passion for customer service and credibility of leaders. I also thank every employee of the Bank for their dedication and our loyal customers for their continued support and patronage. My sincere thanks to the Ministry of Finance, Government of India and the Reserve Bank of India for their continued guidance and support.

(NAGESH PYDAH)  
CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR

## निदेशक मंडल Board of Directors



श्री नागेश पैड़ा  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
**Sh. Nagesh Pydah**  
Chairman & Managing Director



श्री एस.सी.सिन्हा  
कार्यकारी निदेशक  
**Sh. S.C. Sinha**  
Executive Director



श्री वी. कण्णन  
कार्यकारी निदेशक  
**Sh. V. Kannan**  
Executive Director



श्रीमती सुमिता डावरा  
**Smt. Sumita Dawra**



श्री बी. श्रीनिवास  
**Sh. B. Srinivas**



श्री टी. वल्लियप्पन  
**Sh. T. Valliappan**



श्री यू. के. खेतान  
**Sh. U.K. Khaitan**



श्री सी. के. सभरवाल  
**Sh. C.K. Sabharwal**



श्री के.बी.आर. नायडू  
**Sh. K.B.R. Naidu**



श्री के. एच. पाण्डेय  
**Sh. K.H. Panday**



श्री एस.एस. शिशोदिया  
**Sh. S.S. Shishodia**





## d) मात्रात्मक प्रकटन / Quantitative Disclosure-

(करोड़ रु. में) (Rs. in crores)

विवरण / Particulars	चालू वर्ष Current Year		पिछले वर्ष Previous Year	
	मुद्रा डेरिवेटिव Currency Derivatives	ब्याज दर डेरिवेटिव Interest rate Derivatives	मुद्रा डेरिवेटिव Currency Derivatives	ब्याज दर डेरिवेटिव Interest rate Derivatives
i) डेरिवेटिव (अनुमानित मूलधन) Derivatives (Notional Principal Amount)				
a) बचाव व्यवस्था हेतु / For hedging	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL
b) व्यापार हेतु / For trading	60.09*	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL
ii) प्रतिभूतियों के दैनिक बाजार मूल्यों की स्थिति Marked to market Positions				
a) आस्तियां (+)/Assets (+)	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL
b) देयताएं (-)/Liabilities (-)	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL
iii) ऋण एक्सपोजर / Credit Exposure	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL
iv) ब्याज दर में एक प्रतिशत के परिवर्तन का संभावित प्रभाव (100*पीवी01) Likely impact of one percentage change in interest rate (100*PV01)				
a) बचाव व्यवस्था डेरिवेटिव्स पर / On hedging derivatives	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL
b) व्यापारिक डेरिवेटिव्स पर / On trading derivatives	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL
v) वर्ष के दौरान देखा गया 100*पीवी01 अधिकतम तथा न्यूनतम प्रभाव Maximum and Minimum of 100*PV01 observed during the year				
a) बचाव व्यवस्था पर / On hedging	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL
b) व्यापार पर / On trading	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL	शून्य / NIL
अधिकतम / Maximum		-1.74		0.0007
न्यूनतम / Minimum		0.00		0.00

\*अंतर बैंक बाजार में कवर की गई स्थिति / Position covered in inter-bank market

## 10) आस्ति गुणवत्ता

## क) गैर-निष्पादन कारी आस्तियां:

(करोड़ रु. में)

मदें	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
i) निवल अग्रिमों में निवल एनपीए(%)	0.98%	0.87%
ii) एनपीए में उतार चढ़ाव (सकल)		
क) अथ शेष	1468.75	1058.12
ख) वर्ष के दौरान वृद्धि	1556.00	1133.10
ग) वर्ष के दौरान कमी	1104.21	722.47
घ) इति शेष	1920.54	1468.75
iii) निवल एनपीए में उतार-चढ़ाव		
क) अथ शेष	723.82	442.43
ख) वर्ष के दौरान वृद्धि	1556.00	1133.10
ग) वर्ष के दौरान कमी	1341.67	851.71
घ) इति शेष	938.15*	723.82*
iv) एनपीए हेतु प्रावधान में उतार-चढ़ाव (स्तरीय अस्तियों के प्रावधानों को छोड़कर)		
क) अथ शेष	728.55	594.65
ख) वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	245.09	133.90
ग) बट्टे खाते जाली गई राशि/ अतिरिक्त प्रावधानों का पुनरांकन	0.00	0.00
घ) इतिशेष	973.64	728.55

## 10) ASSET QUALITY

## a) Non-Performing Assets:

(Rs. in Crores)

Items	Current Year	Previous Year
i) Net NPAs to Net Advances (%)	0.98%	0.87%
ii) Movement of NPAs (Gross)		
a) Opening Balance	1468.75	1058.12
b) Additions During the Year	1556.00	1133.10
c) Reductions During the Year	1104.21	722.47
d) Closing Balance	1920.54	1468.75
iii) Movement of Net NPAs		
a) Opening balance	723.82	442.43
b) Additions during the year	1556.00	1133.10
c) Reductions during the year	1341.67	851.71
d) Closing balance	938.15*	723.82*
iv) Movement of Provisions for NPAs (excluding provisions on standard assets)		
a) Opening balance	728.55	594.65
b) Provisions Made During the Year	245.09	133.90
c) Write-off/ write-back of Excess Provisions	0.00	0.00
d) Closing balance	973.64	728.55



\*उपर्युक्त आंकड़ों में 31.03.2009 की स्थिति के अनुसार बैंक के एनपीए संविभाग के प्रति बैंक द्वारा किए गए 72.00 करोड़ रु० के अस्थायी प्रावधानों का प्रभाव शामिल है तथा इसे 31.03.2011 को भी रखा गया है।

निवल एनपीए, ईसीजीसी/डीआईसीजीसी के निपटाए गए दावों और एनपीए पर प्रावधानों का समायोजन करने के बाद निकाले गये हैं।

31.03.2011 को बैंक का प्रावधानीकरण कवरेज अनुपात (पीसीआर) 76.79% (पिछले वर्ष 76.74%) है जिसकी गणना बैंक द्वारा तकनीकी रूप से बट्टे खाते डाली गई कुल राशि को हिसाब में लेकर की गई।

प्रावधान में जहां जरूरी हो, निर्धारित से अधिक दर पर किया गया प्रावधान शामिल है।

\*The above figures include the effect of floating provisions of Rs. 72.00 crores, made by the bank towards NPA portfolio of the bank as on 31.3.2009 and the same is retained as on 31.03.2011 also.

Net NPA is arrived at after adjusting ECGC/DICGC claims settled and provisions on NPAs.

The Provisioning Coverage Ratio (PCR) for the Bank as on 31.03.2011 is Rs 76.79% (previous year 76.74%), which is calculated taking into account the total technical write offs.

Provision includes provisions made above the prescribed rates where ever necessary.

ख) पुनः संरचित खातों के विवरण

b) Particulars of Accounts Restructured

(राशि करोड़ रु. में) / (Amount in Rs. crores)

		सी.डी.आर तंत्र CDR Mechanism		एसएमई ऋण पुनः संरचना SME Debt Restructuring		अन्य Others	
		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
पुनः संरचित स्तरिय अग्रिम Standard advances restructured	ऋणियों की संख्या No. of Borrowers	7	11	39	55	6933	278
	बकाया राशि Amount Outstanding	161.33	354.30	207.39	220.12	474.76	2897.19
	घाटा (उचित मूल्य में ह्रास) Sacrifice (diminution in the fair value)	16.29	13.70	4.05	4.42	21.00	13.68
पुनः संरचित अवस्तरिय अग्रिम Sub Standard advances restructured	ऋणियों की संख्या No. of Borrowers	0	0	0	5	48	43
	बकाया राशि Amount Outstanding	0.00	0.00	0.00	12.40	1.18	151.34
	घाटा (उचित मूल्य में ह्रास) Sacrifice (diminution in the fair value)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.06	0.15
पुनः संरचित संदिग्ध अग्रिम Doubtful advances restructured	ऋणियों की संख्या No. of Borrowers	0	0	1	1	0	5
	बकाया राशि Amount Outstanding	0.00	0.00	0.34	0.25	0.00	0.26
	घाटा (उचित मूल्य में ह्रास) Sacrifice (diminution in the fair value)	0.00	0.00	0.02	0.00	0.00	0.00
कुल Total	ऋणियों की संख्या No. of Borrowers	7	11	40	103	6981	326
	बकाया राशि Amount Outstanding	161.33	354.30	207.73	500.17	475.94	3048.79
	घाटा (उचित मूल्य में ह्रास) Sacrifice (diminution in the fair value)	16.29	13.70	4.07	4.42	21.06	13.83

(प्रबंध वर्ग द्वारा समेकित और लेखापरीक्षकों द्वारा विश्वास किया गया है) / (Compiled by management and relied upon by the Auditors)



**ग) आस्ति पुनःसंरचना के लिए प्रतिभूतिकरण/पुनः संरचना कंपनी को बेची गई वित्तीय आस्तियों का विवरण** (राशि करोड़ रु. में)

क्रम सं.	मद	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
i)	खातों की संख्या	शून्य	शून्य
ii)	एरासी/आरसी को बेचे गए खातों का कुल मूल्य (प्रावधान घटा कर)	शून्य	शून्य
iii)	कुल प्रतिफल	शून्य	शून्य
iv)	पिछले वर्षों में अंतरित खातों के संबंध में प्राप्त अतिरिक्त प्रतिफल	शून्य	शून्य
v)	निवल बही मूल्य से अधिक कुल लाभ/हानि	शून्य	शून्य

**घ) खरीदी गई गैर-निष्पादनकारी वित्तीय आस्तियों का विवरण** (राशि करोड़ रु. में)

क्रम सं.	मद	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1. (क)	वर्ष के दौरान खरीदे गए खातों की संख्या	शून्य	शून्य
(ख)	कुल बकाया	शून्य	शून्य
2. (क)	इनमें से वर्ष के दौरान पुनःसंरचित खातों की संख्या	शून्य	शून्य
(ख)	कुल बकाया	शून्य	शून्य

**ङ) बेची गई गैर-निष्पादनकारी वित्तीय आस्तियों का विवरण** (राशि करोड़ रु. में)

क्रम सं.	मद	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
1.	वर्ष के दौरान बेचे गए खातों की संख्या	शून्य	शून्य
2.	कुल बकाया	शून्य	शून्य
3.	कुल प्राप्त प्रतिफल	शून्य	शून्य

**च) स्तरीय आस्तियों हेतु प्रावधानः** (करोड़ रु. में)

मद	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
स्तरीय आस्तियों हेतु प्रावधान	35.00	32.00

बैंक द्वारा धारित स्तरीय आस्तियों के लिए किया गया संचित प्रावधान, जो वर्ष की समाप्ति पर 372.80 करोड़ रु० है (पिछले वर्ष 337.80 करोड़ रु.), को तुलन पत्र की अनुसूची 5 में अन्य देयताओं व प्रावधान के तहत शामिल किया गया है।

11 भारत सरकार ने सीमांत और लघु कृषकों को ऋण माफी तथा अन्य प्रत्यक्ष कृषि ऋण लेने वाले किसानों को राहत देने के लिए 'कृषि ऋण माफी तथा ऋण राहत योजना 2008' (योजना) अधिसूचित की है। ऋण माफी के संबंध में दायर किए गए कुल 370.08 करोड़ रु. के दावे में रो बैंक ने

**c) Details of financial assets sold to Securitisation / Reconstruction Company for Asset Reconstruction.**

(Amt. Rs in crores)

S.No.	Item	Current Year	Previous Year
i)	No. of Accounts	NIL	NIL
ii)	Aggregate value ( Net of Provisions) of Accounts sold to SC/RC	NIL	NIL
iii)	Aggregate consideration	NIL	NIL
iv)	Additional consideration realized in respect of Accounts transferred in earlier years	NIL	NIL
v)	Aggregate gain/loss over net book value	NIL	NIL

**d) Details of non-performing financial assets purchased:**

Amt. Rs in Crores

S.No.	Item	Current Year	Previous Year
1. (a)	No. of Accounts purchased during the year	NIL	NIL
(b)	Aggregate outstanding	NIL	NIL
2. (a)	Of these, number of accounts restructured during the year	NIL	NIL
(b)	Aggregate outstanding	NIL	NIL

**e) Details of non-performing financial assets sold:**

Amt. Rs. in crores

S.No.	Item	Current Year	Previous Year
1.	No. of Accounts sold	NIL	NIL
2.	Aggregate outstanding	NIL	NIL
3.	Aggregate consideration received	NIL	NIL

**f) Provisions Standard Assets:** (Rs. in crores)

Item	Current Year	Previous Year
Provisions towards Standard Assets	35.00	32.00

The cumulative provision towards Standard Assets held by the Bank as at the year end amounting to Rs.372.80 crores (*previous year* Rs. 337.80 crores) is included under Other Liabilities And Provisions in Schedule 5 to the Balance Sheet.

11) Government of India notified "Agriculture Debt Waiver & Debt Relief Scheme, 2008" (Scheme) for giving debt waiver to marginal & small farmers and relief to other farmers who have availed direct agriculture loans. Out of the total claim lodged for Rs.370.08 crores in respect of Debt Waiver, the